



सत्यमेव जयते  
भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
Government of India

Ministry of Human Resource Development



# Kala Utsav 2017

## दिशानिर्देश :: Guidelines



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्  
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING



# Kala Utsav 2017

दिशानिर्देश : Guidelines

# परिचय



## 1. परिचय

कला उत्सव मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की एक ऐसी पहल है, जिसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना, उसे पोषित करना, प्रस्तुत करना और शिक्षा में कला को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सौंदर्यबोध और कलात्मक अनुभवों की आवश्यकता और इसके द्वारा विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता का ज्ञान हो इस बात को महत्वपूर्ण समझा। कला शिक्षा (संगीत, नाटक, नृत्य और दृश्यकला एवं शिल्प) के संदर्भ में की जा रही, यह पहल राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 की अनुशंसाओं के अनुरूप है। भारत में कला की परम्परा प्राचीन काल से रही है, पर विद्यालय स्तर पर अभी भी कलात्मक प्रतिभा को पहचानने की प्रक्रिया विकसित करने की आवश्यकता है। हमारे यहाँ कला के माध्यम से सीखने-सिखाने की वर्षों पुरानी परम्परा रही है, जिनमें से एक है वर्णन-परम्परा। ऐसी परम्पराएँ व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के सामुदायिक अभिव्यक्ति के स्तर पर विस्तार को दर्शाती हैं, जिसका प्रभाव समाज के विकास पर पड़ता है।

कला शिक्षा को एक ऐसे माध्यम के रूप में माना जा सकता है जो विद्यार्थियों में सौंदर्यबोध का विकास करे, साथ ही उनमें कला के विभिन्न रूपों — रंग, ध्वनि और गति, के प्रति संवेदनशीलता उत्पन्न करें, कला का शिक्षा में समन्वय, रचनात्मकता, समस्या समाधान, कल्पना-शक्ति के विकास और बेहतर अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है।

3





2015 में आरम्भ हुआ कला उत्सव, स्कूलों में कलाओं के उत्सव की पहल है जो प्रत्येक वर्ष होगा। कला उत्सव की प्रक्रिया विद्यार्थियों को जीवन्त परम्परिक कला को खोजने, समझने और प्रस्तुत करने में सहयोग

करती है। यह उत्सव न केवल विद्यार्थियों में, बल्कि उनसे जुड़े अन्य सभी व्यक्तियों में भी भारत की सांस्कृतिक विरासत और उसकी जीवन्त विविधता के प्रति जागरूकता फैलाता है। भविष्य में यह शिल्पकारों, कलाकारों और संस्थाओं को विद्यालय के साथ जोड़ने में सहायता प्रदान करेगा।

## 1.1 कला उत्सव — एक विरासत

कला उत्सव, इसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों के जीवन-कौशल को बढ़ावा देने में मदद करेगा जो भविष्य में संस्कृति के दूत के रूप में तैयार होंगे। बच्चे ही हमारा भविष्य हैं, इसलिए विद्यालय हमारे आने वाले कल की प्रयोगशालाएँ हैं। कला उत्सव विद्यालयों के माध्यम से हमें हमारी मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को पहचानने और समझने में सहयोगी होगा।

4



कला उत्सव केवल एक बार में ही समाप्त हो जाने वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि यह कलात्मक अनुभव को पहचानने, खोजने, अभ्यास करने और प्रदर्शन की सम्पूर्ण प्रक्रिया का आरम्भ है। एक बार इस प्रक्रिया का हिस्सा बनने के बाद, विद्यार्थी अपनी जीवन्त कला शैली को प्रस्तुत करने के साथ-साथ उस पर ऑनलाईन परियोजनाओं के माध्यम से उसका सांस्कृतिक अनुभव भी करेंगे।

ऑनलाईन परियोजना में चयनित विषय पर अन्वेषण और उसके विभिन्न पहलुओं का प्रलेखन शामिल है। कला उत्सव वेबसाइट पर प्रदर्शित कर देने के पश्चात, यह परियोजना

भारत के सांस्कृतिक मानचित्र एवं उससे जुड़े आंकड़ों के संग्रह के रूप में उभरेगा। यह आंकड़े हमें हमारे कला एवं सांस्कृतिक संसाधनों के संग्रह में सहायक होंगे और यह विरासत जारी रहेगी।

कला उत्सव का ऑनलाईन परियोजना में भाग लेने का अर्थ है अनेक प्रकार के संसाधनों पर खोजबीन और उनका प्रलेखन। इससे दल कार्यो एवं आपसी सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

कला उत्सव की परिकल्पना एक समन्वित मंच उपलब्ध कराने का प्रयास है, जहाँ सामान्य बच्चे और विशेष आवश्यकता समूह वाले बच्चे (भिन्न क्षमताओं और विभिन्न आर्थिक-सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चे) एक साथ अपनी क्षमताओं का उत्सव मना सकें। यह



उनकी प्रतिभा को पोषित करने एवं दिखाने हेतु, उचित अवसर एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा, और सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया को और अधिक मूर्त, रचनात्मक एवं आनन्ददायी बनाएगा। प्रत्येक स्तर (जिला/राज्य/राष्ट्रीय) पर कला उत्सव एक कला-त्योहार जैसा होगा, जिसमें कलाओं को उनसे संबधित ऑनलाईन परियोजनाओं के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। बालक, बालिका, वंचित समूह एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों द्वारा एक साथ मंच साझा करने से बहुत-सी सामाजिक रूढ़ियाँ टूटेंगी।

इस पहल से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को दिखाने का बेहतर अवसर मिलेगा और वे दूसरे बच्चों के साथ अपनी इन कलाओं को साझा कर सकेंगे। इस प्रक्रिया से उनकी मौलिक प्रतिभा धरातल स्तर से निकल कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचेगी और ये विद्यार्थी दूसरे छात्रों के लिए प्रेरणा का बेजोड़ स्रोत बनेंगे।





## 2. कला उत्सव के लिए दिशानिर्देश

### 2.1 विषय

कला उत्सव 2017 का विषय है, **एक भारत श्रेष्ठ भारत** (विभिन्न क्षेत्रों के आदिवासी लोक और परम्परागत कलाओं की जीवन्त विधाएँ)। भारत, दृश्य और प्रदर्शनकारी कलाओं की भूमि है, जिनमें से कुछ कलाएँ धीरे-धीरे मुख्यधारा से लुप्तप्राय हैं। यद्यपि इनमें से बहुत सी कलाएँ अभी जीवन्त परम्परा की श्रेणी में हैं, परंतु यदि इन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया तो समय के साथ-साथ ये लुप्त हो जाएँगी। राज्यों की जोड़ी के लिए सरकार की पहल राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना और युग्मित राज्यों के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

कला उत्सव 2017 के आयोजन के लिए राज्यों की जोड़ी नीचे दी गई है -



6

क्रम सं.	जोड़ीदार राज्य/ युग्मित राज्य	
1.	जम्मू और कश्मीर	तमिलनाडु
2.	पंजाब	आंध्रप्रदेश
3.	हिमाचल प्रदेश	केरल
4.	उत्तराखण्ड	कर्नाटक
5.	हरियाणा	तेलंगाना
6.	राजस्थान	असम

7.	गुजरात	छत्तीसगढ़
8.	महाराष्ट्र	ओड़ीशा
9.	गोवा	झारखण्ड
10.	दिल्ली	सिक्किम
11.	मध्य प्रदेश	नागालैंड
12.	उत्तर प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश
13.	बिहार	त्रिपुरा
14.	चंडीगढ़	दादर और नगर हवेली
15.	पुदुच्चेरी	दामन और दीव
16.	लक्ष्यद्वीप	अंडमान और निकोबार
17.	पश्चिम बंगाल	मणिपुर
18.	मेघालय	मिज़ोरम

कला उत्सव के लिए राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश संगीत, नृत्य, रंगमंच और दृश्य कला में आदिवासी, लोक और पारम्परिक कलाओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कला उत्सव के लिए अपनी प्रविष्टियां भेज सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कला उत्सव 2017 के लिए, युग्मित राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की नृत्य प्रस्तुति करनी होगी। कला उत्सव के लिए राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश जनजातीय, लोक और परंपरागत कलाओं पर अपनी प्रविष्टियां भेज सकते हैं। यही नियम केन्द्रीय विद्यालय संगठन (के.वि.सं.) और नवोदय विद्यालय समिति (न.वि.सं.) दोनों के लिए भी लागू होंगे। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि राष्ट्रीय स्तर पर के.वी.एस/एन.वी.एस. कि टीम द्वारा किया जाने वाला नृत्य किसी भी भागीदार (छात्र + सहायक) का नहीं है, यह उन राज्यों के अन्तर्गत आता है, जिनके नृत्य रूप में वे प्रदर्शन कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, यदि के.वि.सं./न.वि.एस. भारत नाट्यम का प्रदर्शन कर रहे है तो दल में कोई भी विद्यार्थी तमिलनाडु राज्य से नहीं होना चाहिए और के.वि.सं./न.वि.स. भी तमिलनाडु राज्य से नहीं होना चाहिए। राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को किसी को भी परिस्थित में इस जोड़ी को बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा प्रतिभागियों को भी किसी परिस्थिति में इस जोड़ी को बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।



## 2.2 कला के क्षेत्र



- ❖ संगीत
- ❖ नृत्य
- ❖ नाट्यकला
- ❖ दृश्यकलाएँ

प्रत्येक राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश / के.वि.सं./नं.वि.स. से किसी भी कला में केवल एक प्रविष्टि स्वीकार होगी। इस प्रकार प्रत्येक राज्य/केन्द्र शासित राज्य / के.वि.सं./नं.वि.स. से कुल चार प्रविष्टियाँ हो सकती हैं।

## 2.3 पात्रता

सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय और गैर सरकारी विद्यालयों के 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी कला उत्सव 2017 में भाग ले सकते हैं। प्रत्येक राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश में गैर सरकारी विद्यालय एवं अन्य केन्द्र सरकार के संस्थानों (जैसे सी.टी.एस.ए./एन.सी.ई.आर.टी के डेमोन्सट्रेशन मल्टीपर्स स्कूल/रेलवे स्कूल, बी.एस.एफ/सी.आर.पी.एफ/आर्मी/एयर फोर्स/केन्ट बोर्ड्स/एन.डी.एम.सी इत्यादि) के विद्यालय अपने राज्य में जिला स्तर एवं राज्य स्तर की कला उत्सव प्रतियोगिता में राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के अन्य विद्यालयों के साथ प्रतियोगिता करेंगे। के.वि.सं. और न.वि.स. अपने स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित करेंगे और चारों कला रूप में चयनित दो सर्वश्रेष्ठ टीमों (एक के.वि.सं.के सभी चारों कला विधा की और एक न. वि. स. के चारों कला की) राष्ट्रीय कला उत्सव की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजेगी। इस प्रकार राष्ट्रीय कला उत्सव में कुल 38 दल (36 राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों की और केन्द्रीय विद्यालय संगठन एवं नवोदय विद्यालय समिति की एक-एक) भाग लेंगे।



## 2.4 कला उत्सव के स्तर

विभिन्न स्तरों पर श्रेष्ठ दल का चयन करने के लिए निम्नलिखित सुझाव हैं:

**जिला-स्तर :** यह कला उत्सव का पहला स्तर होगा, जहाँ सभी विद्यालय अपनी



प्रविष्टियाँ भेज सकेंगे। (राज्य यदि उचित समझे तो कला उत्सव का आयोजन ब्लॉक और तहसील स्तर पर भी कर सकते हैं।)

**राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश स्तर :** जिला-स्तर पर चुनी हुई प्रविष्टियाँ इस स्तर पर भागीदारी कर सकती हैं।

**राष्ट्रीय स्तर :** यह कला उत्सव का अंतिम चरण होगा, जहाँ राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों/के.वि.सं./न.वि.स. की चुनी हुई प्रविष्टियाँ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। राष्ट्रीय स्तर पर कला उत्सव का आयोजन दिसंबर माह में होगा। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में कला के प्रत्येक क्षेत्र के लिए अलग-अलग निर्णायक मंडल होगा जिसमें सम्बन्धित कला के शिक्षक/कलाकार/ विशेषज्ञ होंगे। जो पूरे कार्यक्रम के दौरान मंडल के सदस्य रहेंगे। निर्णायक मंडल के सदस्य सम्बन्धित ऑनलाईन परियोजना की प्रविष्टियों को फाइनल प्रतियोगिता शुरू होने से एक दिन पहले देखेंगे ताकि परियोजना के अंकों को भी कला प्रस्तुति के अंकों में सम्मिलित किया जा सके।

सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों/के.वि.सं./न.वि.स. से आग्रह है कि वे कृपया नई जानकारी के लिए कला उत्सव का वेबपेज (<http://www.kalautsav.in>) देखते रहें।

नोट: राज्यों/ केन्द्र शासित प्रदेशों से आने वाले दलों के लिए तथा उनके साथ आये (अनुरक्षणों के लिए) एवं प्रतिभागियों की स्वीकार्य संख्या के आधार पर आवासीय सुविधा एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली, द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी।

## 2.5 दल

कला उत्सव की सभी प्रविष्टियाँ दलों में होंगी। यहाँ दल से तात्पर्य है कि अलग-अलग प्रतिभाओं और योग्यताओं के विद्यार्थी सामूहिक रूप से एक-साथ आएँगे, एक-दूसरे की मदद करेंगे, एक-दूसरे की सराहना करेंगे और चुने हुए काम को पूरा करने में एक-दूसरे के पूरक होंगे। दल का निर्माण 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के चुने हुए विद्यार्थियों को मिला कर किया जा सकता है, जिसमें प्रत्येक लिंग (जेंडर) को भागीदारी का समान अवसर हो। कला उत्सव विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सक्रिय भागीदारी को समावेशी रूप में प्रोत्साहित करता है। विद्यालय/अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा, कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की भागीदारी केवल दिखावे के लिए न हो। कला उत्सव प्रतियोगिता में केवल विद्यार्थी ही प्रतिभागी हो सकते हैं। किसी भी तरह से



प्रोफेशनल कलाकारों की भागीदारी वाली प्रविष्टि स्वीकार नहीं की जाएगी।

विभिन्न टीमों\* में सदस्यों की संख्या\*\* इस तरह है –

**दृश्य कला :** 4 विद्यार्थी

**संगीत :** 8 विद्यार्थी

**नृत्य :** 8 विद्यार्थी

**नाट्यकला :** 10 विद्यार्थी

\* दल में विद्यार्थियों की संख्या में, संगत करने वाले एवं नेपथ्यकार्य (Backstage) करने वाले विद्यार्थी भी शामिल हैं।

\*\* हर दल को एक शिक्षक साथ लाने की अनुमति है। यह वैसे शिक्षक होंगे जिन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाईन प्रोजेक्ट और प्रदर्शन तैयार करने में मदद किया हो। राष्ट्रीय स्तर पर भाग ले रहे हर राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. के दल के साथ पुरुष और महिला दोनों शिक्षक अनुरक्षक के रूप में होंगे। इस प्रकार किसी भी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. से चार शिक्षक से अधिक संख्या मान्य नहीं होगी। राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. द्वारा स्वीकृत प्रतिभागियों के अतिरिक्त विद्यार्थी/कर्मचारी को आवास प्रदान नहीं किया जाएगा तथा ऐसे व्यक्तियों को प्रतियोगिता स्थल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। कार्यक्रम की अवधि के लिए सभी प्रतिभागियों को परिचय पत्र जारी किया जाएगा। किसी भी विद्यार्थी के माता-पिता को कला उत्सव में साथ आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि अतिरिक्त विद्यार्थी/कर्मि कला उत्सव आयोजक/निरीक्षक को मिलते हैं, तो सम्बन्धित राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. दल के दो अंक प्रतियोगिता से काट लिए जाएंगे।

10



## 2.6 राष्ट्रीय स्तर पर कला उत्सव के लिए पुरस्कार राशि

प्रत्येक कला शैली (4) में तीन पुरस्कारों का प्रावधान है।

प्रथम पुरस्कार : ₹ 5,00,000/- (₹ 1,25,000 /- प्रत्येक कला के लिए)

द्वितीय पुरस्कार : ₹ 3,00,000/- (₹ 75,000 /- प्रत्येक कला के लिए)

तृतीय पुरस्कार : ₹ 2,00,000/- (₹ 50,000 /- प्रत्येक कला के लिए)

नोट: कला उत्सव पुरस्कार नगद होगा, जो किसी व्यक्ति विशेष को न दे कर पुरस्कृत समूह के विद्यालयों को दिया जाएगा। यदि प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय पुरस्कार एक से अधिक राज्य के दल को मिलता है तो ऐसी स्थिति में प्रत्येक दल को उपरोक्त धनराशि दी जाएगी

## 2.7 ऑनलाईन कला परियोजना

ऑनलाईन कला परियोजना राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कला उत्सव का एक महत्वपूर्ण अंग है। ऑनलाईन प्रोजेक्ट का उद्देश्य प्रतिभागियों द्वारा चयनित कला के बारे में तथ्यों का प्रलेखन/अभिलेखन तैयार करना है। साथ ही इस कला की संपूर्ण प्रक्रिया को जानना, तैयारी करना और कला उत्सव में पेश करना है। विद्यार्थी, ऑनलाईन परियोजना के लिए आसानी से उपलब्ध और प्रयोग किए जा सकने वाले उपकरणों का प्रयोग कर सकते हैं, जैसे – मोबाइल फोन जिसका प्रयोग वह पहले से ही व्हाट्सअप, फेसबुक, ट्विटर, इन्स्टाग्राम, हैंगआउट्स, आदि के लिए कर रहे हैं। ऑनलाईन परियोजना के अन्तर्गत चयनित कला का अभिलेखन / प्रलेखन करते समय उसके निम्नलिखित पहलुओं को ध्यान में रखा जा सकता है, जैसे –

### (i) इतिहास

- ❖ उद्भव
- ❖ सम्बद्ध समूह
- ❖ विशेष अवसर
- ❖ वेशभूषा
- ❖ आस-पास के पर्यावरण से उसका सम्बन्ध, आदि।

### (ii) तथ्यों का प्रलेखन करना

(अध्ययन हेतु समुदाय से मिलते समय अथवा अन्य स्रोतों का अध्ययन करते समय)

- ❖ फोटो लेना



- ❖ समुदाय द्वारा कला प्रदर्शन के समय उसका ऑडियो और वीडियो
- ❖ इंटरनेट, समाचार पत्र, पत्रिका, अभिलेखागार, पुस्तकालय आदि से सामग्री लेना
- ❖ कलाकारों/ शिल्पकारों एवं सम्बन्धित समूहों से साक्षात्कार करना आदि

**(iii) कला उत्सव के लिए चयनित जीवन्त पारम्परिक कला अभ्यास का प्रलेखन**

- ❖ सेल्फी लेना
- ❖ फोटो लेना
- ❖ प्रदर्शन का अभ्यास करते समय ऑडियो / वीडियो
- ❖ अपना साक्षात्कार एवं प्रक्रिया में शामिल शिक्षकों/सहायकों के साक्षात्कार (कृपया इसे छोटा रखें)
- ❖ चयनित जीवन्त परम्पराओं को भविष्य में प्रोत्साहन देने के लिए अपनी दल का दृष्टिकोण इत्यादि
- ❖ ऑनलाईन प्रोजेक्ट का वीडियो 6 मिनट से कम और 8 मिनट से अधिक समय का नहीं होना चाहिए

**(iv) लेखन** – 500 शब्दों में दल द्वारा चुनी गई जीवन्त परम्परा का समग्र विवरण कला उत्सव में प्रविष्टियाँ जमा करने के लिए प्रारूप परिशिष्ट-I में दिया गया है

एनसीईआरटी ने कला उत्सव के लिए एक अलग वेबसाइट (<http://www.kalautsav.in>) विकसित किया है, जहां पिछले वर्षों के ऑनलाइन प्रोजेक्ट्स अपलोड किए गए हैं और जिसका प्रयोग भाग लेने वाली टीम, अपने जोड़ीदार राज्य के कला रूप को समझने के लिए कर सकती हैं।

**ऑनलाईन परियोजना को अपलोड करना**

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव की दिनांक को ध्यान में रखते हुए 15/10/2017 से 31/10/2017 तक, दिए गए प्रारूप (फॉर्मेट) में प्रविष्टियों को यू-ट्यूब (YouTube) पर चढ़ा सकते हैं।

ऑनलाईन परियोजना को अपलोड करने से पहले सभी नोडल अधिकारी कृपया व्यक्तिगतरूप से प्रविष्टियों को जाँच लें। नोडल अधिकारी द्वारा प्रमाणीकरण का प्रारूप परिशिष्ट-II में संलग्न है।

12





### 3. राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए मापदंड

राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए, कला उत्सव में कला के प्रत्येक क्षेत्र में दल का चयन इन दो मापदंडों के आधार पर होगा - (अ) ऑनलाईन परियोजनाओं और (ब) मंचीय एवं दृश्य कला और पारम्परिक शिल्प की प्रस्तुति/प्रदर्शनी का मूल्यांकन। प्रदर्शन से पहले, प्रदर्शन करने वाले दल का कोई एक सदस्य अपने दल और संबंधित कला का परिचय देगा, जो ऑनलाईन प्रोजेक्ट पर आधारित होगा, इसके लिए प्रत्येक दल को केवल 2 मिनट का समय दिया जायेगा। यहां आपके संदर्भ के लिए मूल्यांकन शीट के साथ विस्तृत दिशानिर्देश दिए जा रहे हैं।

#### 3.1 नाट्यकला

प्रस्तुति की अधिकतम अवधि 20-30 मिनट होगी (यदि दल द्वारा किसी ऐसे पारम्परिक नाटक का चुनाव किया गया हो जो सारी रात चलता हो, तो ऐसी स्थिति में दल किसी ऐसे प्रकरण का चुनाव कर सकता है जो दी गई अवधि में समाप्त हो सके)

- ❖ मंचसज्जा और उसे हटाने के लिए 10 मिनट अतिरिक्त दिए जाएँगे।
- ❖ प्रदर्शन किसी भी भाषा में हो सकता है जिसमें क्षेत्रीय भाषाएँ एवं बोलियाँ भी शामिल हैं।



- ❖ वेशभूषा, मंचसज्जा और वस्तुओं की व्यवस्था स्वयं दल द्वारा की जाएगी।
- ❖ आलेख (स्क्रिप्ट) की सॉफ्ट कॉपी ऑनलाईन परियोजना के साथ ही जमा की जाएगी।

### मूल्यांकन प्रपत्र – नाट्यकला

जीवन्त पारम्परिक रंग मंच (आदिवासी, लोक और परम्परागत)

दल कोड/क्र. सं.	नाटक का नाम	ऑनलाइन कला परियोजना	संगीत एवं ध्वनि प्रभाव	मंचसज्जा/ डिजाइन	वेशभूषा और मेकअप	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का प्रभावी समावेश	अभिनय	कुल अंक
		30	10	10	10	15	25	100

### 3.2 नृत्य

- ❖ दल के लिए युग्मित/जोड़ीदार राज्य/ संघ शासित प्रदेशों के नृत्य रूप का प्रदर्शन करना आवश्यक है।
- ❖ प्रस्तुति की अवधि 5-8 मिनट की होगी।
- ❖ तकनीकी साज-सज्जा और उसे हटाने के लिए 10 मिनट अतिरिक्त दिए जाएँगे।
- ❖ संगीत लाइव या पहले से रिकॉर्ड किया हो सकता है।
- ❖ वेशभूषा और मेकअप साधारण, प्रामाणिक और विषयगत होनी चाहिए।
- ❖ सेट, वेशभूषा, संगीत वाद्ययंत्र की व्यवस्था स्वयं दल द्वारा की जाएगी।

### मूल्यांकन प्रपत्र – नृत्य

युग्मित राज्य के जीवन्त पारम्परिक नृत्य (आदिवासी, लोक और परम्परागत)

दल कोड/क्र. सं.	नृत्य प्रविष्टि का नाम	ऑनलाइन कला परियोजना	संगीत	वेशभूषा और मेकअप	दल सदस्यों में आपसी सामंजस्य	प्रामाणिकता / कोरियोग्राफी	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का प्रभावी समावेश	कुल अंक
		30	15	10	15	15	15	100

### 3.3 संगीत

- ❖ प्रस्तुति का समय 5-8 मिनट होगा।
- ❖ तकनीकी साजसज्जा और उसे हटाने और प्रदर्शन की व्यवस्था करने के लिए 10 मिनट अतिरिक्त दिए जाएँगे।
- ❖ संगीत-गायन किसी भी भाषा में हो सकता है चाहे वह क्षेत्रीय बोली ही क्यों न हो।
- ❖ वेशभूषा, मंचसज्जा और सामग्री, प्रस्तुति से संबंधित होनी चाहिए।
- ❖ ध्वनि (एकॉस्टिक) संगीत वाद्ययंत्र ही बजाये जाने चाहिए।
- ❖ संगीत प्रस्तुति का लिखित सार हिन्दी या अंग्रेज़ी में ही होने चाहिए और वह ऑनलाईन परियोजना के साथ ही जमा होगा।
- ❖ वाद्ययंत्र बजाने वाले विद्यार्थी दल के ही सदस्य होने चाहिए।
- ❖ वाद्ययंत्र और वेशभूषा आदि का प्रबंध दल को स्वयं करना होगा।

#### मूल्यांकन प्रपत्र – संगीत

जीवन्त पारम्परिक संगीत (आदिवासी, लोक और परम्परागत)

दल कोड/ क्र. सं.	संगीत की प्रविष्टि	ऑन-लाइन कला परियोजना	सुर	ताल	संगीत संयोजन	वेशभूषा और मेकअप	दल के सदस्यों में आपसी सामंजस्य	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का प्रभावी समावेश	कुल अंक
		30	15	15	10	5	10	15	100

### 3.4 दृश्य कलाएँ

- ❖ दल की प्रविष्टि जीवन्त पारम्परिक दृश्य कला (पारम्परिक शिल्प सहित) के स्वरूपों में से किसी एक में हो सकती है - द्विआयामी (2D) (ड्रॉइंग, पेंटिंग, आदि) या त्रिआयामी (3D) (मूर्ति कला, टेराकोटा, रिलीफ़ कार्य आदि) अथवा 2D और 3D विधाओं का सम्मिश्रण।
- ❖ प्रत्येक दल की केवल एक ही कलाकृति स्वीकार की जाएगी, जिस पर दल ने कार्य किया हो। नोडल अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि कला कार्य दल के द्वारा ही किया गया हो।

15



- ❖ कला के कार्य का लिखित सार हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी में ऑनलाईन कला परियोजना के साथ जमा करना अनिवार्य है।
- ❖ दल के लिए विषय पर काम करने के दौरान किये कार्य एवं प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग को ऑनलाईन परियोजना के साथ भेजना अनिवार्य है।
- ❖ कलाकृति और उनकी प्रस्तुति (फ्रेमिंग आदि) का उत्तरदायित्व दल का होगा।
- ❖ प्रदर्शन के बाद अपनी कलाकृति को वापस ले जाने की उत्तरदायित्व भी स्वयं दल का होगा।
- ❖ प्रत्येक दल को अपने कार्य प्रदर्शित करने हेतु कार्य की प्रकृति के अनुरूप 8 x 8 फीट का स्थान प्रदान किया जाएगा। उदाहरण स्वरूप-द्विआयामी (पेंटिंग आदि) कार्य के लिए दीवार के पास का स्थान और त्रिआयामी, मूर्तिकला आदि हेतु हॉल के बीच का स्थान दिया जाएगा।

### मूल्यांकन प्रपत्र – दृश्य कलाएँ (पारम्परिक शिल्प कला सहित)

जीवन्त पारम्परिक कलाएँ (जनजातीय, लोक और परम्परागत)

दल कोड/ क्र. सं.	दृश्य कला प्रविष्टि का नाम	ऑनलाईन कला परियोजना	सामग्री का प्रयोग	तकनीकी सूक्ष्मता	मौलिकता/ प्रामाणिकता	दृश्यात्मक प्रभाव	दल कार्य	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का प्रभावी समावेश	कुल अंक
		30	10	10	15	10	10	15	100

16







## 4. राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के सचिव/रा.प.नि./ आयुक्तों की भूमिका और उत्तरदायित्व

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश/के.वी.सं./न.वि.स. से सभी चार प्रविष्टियां राष्ट्रीय स्तर तक अग्रेषित किए जाने से पहले सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होंगी। दलों की संख्या, उपरोक्त 2.5 में उल्लिखित मानदंडों के अनुसार होनी चाहिए। बच्चों के लिए प्रत्येक राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश/के.वी.सं./न.वि.स. से केवल 4 अनुरक्षण (2 पुरुष और 2 महिला) को अनुमति दी जाएगी। किसी भी अतिरिक्त कर्मियों का प्रवेश नहीं होगा। सुरक्षा कारणों और जगह की कमी के कारण से किसी भी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश/के.वी.सं./न.वि.स. से अतिरिक्त सदस्यों को अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। हालांकि, CWSN प्रतिभागी की सुविधा के मामले में, केवल एक अतिरिक्त कर्मचारी की उपस्थिति पर ही विचार किया जाएगा। राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों/के.वी.सं./न.वि.स. के सक्षम प्राधिकारी को यह सुनिश्चित करना चाहिए, कि टीमों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए भेजा गया है, जो दिशानिर्देशों का कठोरता से पालन करते हैं। यदि अतिरिक्त विद्यार्थी/कर्मचारी दलों के साथ होते हैं, तो सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा दो अंक प्रति अतिरिक्त व्यक्ति काटा जाएगा। जो राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश से सम्बन्धित कला अंक से होगा।

कला उत्सव निर्बाध रूप से चलता रहे इसके लिए शिक्षकों/अनुरक्षकों से यह अनुरोध किया जाता है कि दल में साथ आने वाले छात्रों के उचित अनुशासन को सुनिश्चित करें। किसी भी तरह के गलत व्यवहार/दुर्व्यवहार के लिए सम्बन्धित दल के शिक्षक/अनुरक्षक जिम्मेदार होंगे और ऐसे मामलों में आयोजक द्वारा कार्यवाही की जाएगी जिसमें राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. के अंक घटाए जा सकते हैं और एक वर्ष के लिए कला उत्सव में भाग लेने से वंचित भी जा सकता है। कला उत्सव के दौरान सामंजस्यपूर्ण वातावरण में बाधा या किसी भी तरह के नुकसान या दुर्व्यवहार को नज़र अंदाज़ नहीं किया जाएगा। अतः दलों को जब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए भेजा जाए, उन्हें स्थानीय आयोजकों और अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए पर्याप्त जानकारी दी जानी चाहिए। शिक्षकों/अनुरक्षकों को पूरे कार्यक्रम के दौरान अपने दल की सभी गतिविधियों पर दृष्टि रखनी चाहिए। किसी भी तरह के दुर्व्यवहार में शामिल होने वाले प्रतियोगियों/दलों को तुरन्त अयोग्य घोषित किया जाएगा।



प्रविष्टियों के लिए प्रारूप

भाग क

सामान्य सूचनाएँ

1. राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का नाम : \_\_\_\_\_
2. विद्यालय का नाम और पता : \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_
- फ़ोन नंबर: \_\_\_\_\_ ई-मेल : \_\_\_\_\_
- विद्यालय आई.डी. (UDISE): \_\_\_\_\_
3. जोड़ीदार राज्य/केन्द्र शासित राज्य : \_\_\_\_\_
4. विद्यालय का प्रकार :
 

<input type="checkbox"/> सरकारी	<input type="checkbox"/> सरकारी सहायता-प्राप्त
<input type="checkbox"/> के.वि.सं.	<input type="checkbox"/> न.वि.स.
<input type="checkbox"/> गैर सरकारी	<input type="checkbox"/> अन्य केन्द्र सरकारी
5. कला का नाम : \_\_\_\_\_  
संगीत / नृत्य / नाटक / दृश्य कला

6. दल का विस्तृत ब्योरा –

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	ऑनलाईन परियोजना में उसकी भूमिका	विशेष आवश्यकता वाला बच्चा (CWSN) है या नहीं
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

18



7. ऑनलाईन परियोजना में शामिल शिक्षकों का विस्तृत ब्योरा :

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद और विषय (जो वह पढ़ाता/पढ़ाती है)	ऑनलाईन परियोजना में भूमिका
1.			
2.			
3.			
4.			

### भाग ख

#### ऑनलाईन कला परियोजना का विस्तृत ब्योरा

8. ऑनलाईन प्रोजेक्ट का नाम : \_\_\_\_\_

9. भाषा :  हिन्दी  
 अंग्रेज़ी  
 क्षेत्रीय भाषा

कृपया भाषा स्पष्ट करें : \_\_\_\_\_

10. व्याख्या/ ऑनलाईन परियोजना की पृष्ठभूमि (500 शब्दों में) कला उत्सव-2017 के वेबसाइट पर डालने एवं छपने वाले दस्तावेज के लिए यह जानकारी आवश्यक है।

इस स्थान पर कला के प्रकार की मूल जानकारी दी जानी है। इसमें इस कला रूप की इतिहासिक पृष्ठभूमि, यह केस क्षेत्र से आया है, यह किसी समुदाय विशेष से सम्बन्धित है अथवा नहीं? इसे किस तरह आयोजित या प्रस्तुत किया जाता है? क्या इसे किसी विशेष उत्सव पर भी प्रस्तुत किया जाता है? यह जीवन्त कला है या लुप्तप्राय कला है आदि।

11. ऑनलाईन परियोजना की प्रक्रिया (500 शब्दों में)। कला उत्सव-2017 के वेबसाइट पर डालने एवं छपने वाले दस्तावेज के लिए यह जानकारी आवश्यक है।

ई-प्रोजेक्ट के विभिन्न चरणों का एक संक्षिप्त विवरण जिसमें विचार, विषय/सामग्री/कला का रूप आदि शामिल हैं।



**घोषणा-पत्र**

(राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. के नोडल अधिकारी\* द्वारा घोषणा)

यह प्रविष्टि \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_ जो राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव में  
नाटक / नृत्य / संगीत / दृश्य कला की प्रतियोगिता में प्रतिभागिता हेतु अपलोड की जा  
रही है इसने \_\_\_\_\_ राज्य/  
केन्द्रशासित प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मैंने व्यक्तिगत रूप से इस दल की प्रस्तुति को देखा है और प्रमाणित करती/ करता हूँ कि  
इन्होंने कला उत्सव के दिशानिर्देशों का पूर्णतः अनुपालन किया है।

दिनांक \_\_\_\_\_ / \_\_\_\_ /2017

स्थान \_\_\_\_\_

मोहर के साथ हस्ताक्षर

सेवा में,

अध्यक्ष

कला एवं सौंदर्यबोध शिक्षा विभाग

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

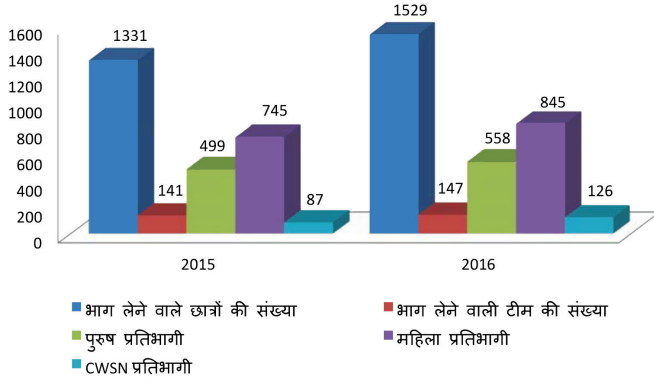
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110016

20



\* राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेश के राज्य परियोजना निदेशक, आर.एम.एस.ए., नोडल अधिकारी हो सकते हैं और केन्द्रीय विद्यालय संगठन एवं नवोदय विद्यालय समिति के आयुक्त नोडल अधिकारी हो सकते हैं।

## आंकड़ा



## कला उत्सव - 2016 की विजेता दल

कला रूप	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
दृश्य कला	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह - जनजातियों के शारीरिक गहने	नवोदय विद्यालय समिति- पारंपरिक कांस्य शिल्प	हरियाणा - पारम्परिक दृश्य कला
नृत्य	पश्चिम बंगाल - रणपा नृत्य	हिमाचल प्रदेश-लालादी नृत्य	अंडमान और निकोबार द्वीप-जरावा जनजातियों के जीवन और संस्कृति
संगीत	गोवा - शिगमो	बिहार-कजरी	जम्मू और कश्मीर-गीतू डोगरी लोक संगीत
नाट्यकला	कर्नाटक-डोडाटा-लोक नाटक	केरल कूडियट्टम	तमिलनाडु-द्रौपदी विरोध

## कला उत्सव - 2015 की विजेता दल

कला रूप	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
दृश्य कला	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह - हमारी जनजाति की छुपी हुई कला (जारवा एंड ऑनज) बॉडी एंड एसेसरी पेंटिंग (2 डी एंड 3डी का संयोजन)	दिल्ली - संजी और प्रतीक चिन्ह और हरियाणा - संजी कला	तमिलनाडु - टेराकोटा, कोलाज, ड्राइंग और पेंटिंग में घोड़े
नृत्य	असम - बीहू - असम के लोकप्रिय लोक नृत्य	दादर और नगर हवेली - तारपा-ढोल नृत्य	कर्नाटक
संगीत	दिल्ली - पंजाबी लोक गीत-चाला	छत्तीसगढ़ - छत्तीसगढ़ लोक संगीत की जीवंत परंपरा	असम और महाराष्ट्र - दीहा नाम - असम के भक्ति संगीत
नाट्यकला	हरियाणा - स्वांग हरियाणा	असम - रंगमंच: सुना सुना सभासद पोरा शूनार कोठा	महाराष्ट्र

# Introduction



## 1. INTRODUCTION

Kala Utsav is an initiative of the Ministry of Human Resource Development (MHRD) under Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan, to promote arts in education by nurturing and showcasing the artistic talent of school students at the secondary stage in the country. *Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan* (RMSA) recognises the importance of aesthetics and artistic experiences for secondary-level students, which play a major role in creating awareness of India's rich cultural heritage and its vibrant diversity. In the context of education of Arts (Music, Theatre, Dance, Visual Arts and Crafts), the initiative is guided by the recommendations of the *National Curriculum Framework 2005* (NCF-2005).

22



Though India has a long tradition of art and artistic practices, a uniform process of identifying artistic talents in school education is yet to be developed. We also have a tradition of using arts in the process of learning: the narrative tradition is one such example. These traditions also show us the creative expansion from the individual to the community, which contributes towards the overall development of the society.

Arts education may be perceived as a tool for development of aesthetic sensibility among learners to enable them to respond to the beauty in



various forms, colours, sound and movement. Art integration in education helps to encourage creativity, develop problem-solving ability, and improves the ability to handle mental imagery and better expression.

Kala Utsav was started in 2015 and is now being regularly organized every year as a celebration of art forms in the school system. The district/

state/national-level Kala Utsav has been structured as an art festival to include performances and display of exhibits along with their online art projects. The design of Kala Utsav will help students explore, understand and showcase their living traditions in art. Kala Utsav gives students the opportunity to understand and celebrate cultural diversity at school, district, state and national levels. It not only spreads awareness among students, but also creates awareness of India's cultural heritage and its vibrant diversity amongst other stakeholders. Further, this will help to promote networking of artists, artisans and institutions with schools.

### 1.1 KALA UTSAV—THE LEGACY

Kala Utsav helps in enhancing the various skills of the participants and prepare them as ambassadors of our culture. It helps the secondary school students in identifying and understanding our diverse tangible and intangible cultural expressions.

This is not a onetime activity but the beginning of a complete process of identifying, exploring, understanding, practising, evolving and showcasing the artistic experience. Once part of the process, the participants do not just perform pieces from their living traditions only, but will rather live that cultural experience while documenting 'online project' as part of their Kala Utsav entry.



## GUIDELINES — KALA UTSAV

The online project involves research on the selected topic and documentation of its different aspects by the students. These online projects, once uploaded on the Kala Utsav website, emerge as an empirical database on cultural mapping of the country. The database can further help us create a repository of artistic and cultural resources, and the legacy continues.

The participation in the online projects for Kala Utsav would involve exploration of multiple resources for research and documentation. This in turn would promote team work and collaboration rather than relying on individual means or resources.

As an effort to mainstream students with special needs (differently-abled and from diverse socio-economic backgrounds) and celebrating their abilities, Kala Utsav is envisaged as a fully integrated platform. It provides an opportunity and favourable environment to nurture and showcase their talents



of children with special needs and help in making learning more concrete, creative and joyful. Sharing the stage collectively by boys, girls, students from disadvantaged groups and students with special needs will be a precursor in breaking many existing stereotypes.

Students with special needs will find an added opportunity to express their hidden talents in Kala Utsav through this initiative and provides them an opportunity to showcase their talent at national level. Participation of CWSN initiates a multiplier effect and serves as a source of inspiration for others to follow later.

24







## 2. GENERAL GUIDELINES FOR KALA UTSAV

### 2.1 THEME

The theme of Kala Utsav 2017 is “**Ek Bharat Shreshtha Bharat** (Living Tradition of Arts – Tribal, Folk and Traditional Art Forms)”. India is a land of *performing and visual arts*, some of which are gradually fading out from the mainstream. Though these art forms are in the category of our living traditions at present, but if not given due attention, these might disappear in due course of time. The Government’s initiative towards pairing of states is to promote national integration and create awareness of the paired state.

**FOR THE PURPOSE OF KALA UTSAV 2017, THE PAIRING OF STATES IS AS GIVEN BELOW:**

S.No.	Paired States
1.	Tamil Nadu Jammu & Kashmir
2.	Punjab Andhra Pradesh
3.	Himachal Pradesh Kerala
4.	Uttarakhand Karnataka

25



S.No.	Paired States	
5.	Haryana	Telangana
6.	Rajasthan	Assam
7.	Gujarat	Chhattisgarh
8.	Maharashtra	Odisha
9.	Goa	Jharkhand
10.	Delhi	Sikkim
11.	Madhya Pradesh	Nagaland
12.	Uttar Pradesh	Arunachal Pradesh
13.	Bihar	Tripura
14.	Chandigarh	Dadar & Nagar Haveli
15.	Puducherry	Daman & Diu
16.	Lakshadweep	Andaman & Nicobar Islands
17.	West Bengal	Manipur
18.	Meghalaya	Mizoram

States/UTs/KVS/NVS may send their entries for Kala Utsav, focusing on the tribal, folk and traditional art forms in Music, Dance, Theatre and Visual Arts. However for Kala Utsav 2017, for the national level competition, the paired States will be required to perform a dance form of the paired State/UT. This is also applicable for both Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS) and Navodaya Vidyalaya Samiti (NVS) where they will have to ensure that the dance performed by the KVS/NVS team at the National Level does not have any participant (student+accompanist) who belongs to the States whose Dance form they are performing. For example, if KVS/NVS is performing Bharat Natyam then no participant/s in the team should belong to the State of Tamil Nadu and the KVS/NVS should also not be located in Tamil Nadu. States/UTs will not be allowed to change this pairing under any circumstances.



## 2.2 AREAS OF ART



- ❖ Music
- ❖ Dance
- ❖ Theatre
- ❖ Visual Arts

There shall be only one entry for each art form from each State/UT and one each from KVS/NVS. Thus, each State/UT and KVS/NVS shall have total of four entries.

## 2.3 ELIGIBILITY

Students of Classes 9th, 10th, 11th and 12th of any Government, Government-aided schools and Private Schools can participate in Kala Utsav 2017. However, Private Schools and schools of other Central Govt. Organisations/Local Bodies (like CTSA/Demonstration Multipurpose Schools (DMS) of NCERT/Railways Schools, BSF/CRPF/Army/Airforce/Cantt. Boards/NDMC etc.) located in the State/Union Territory will participate at the district and state level competitions etc. along with the other schools of the State/UT. The KVS and NVS will hold competitions amongst the KVS and NVS and the winning teams will participate as 2 separate teams from KVS and NVS at National Level. Thus, total teams participating at the National Level will be 38 [36-States/UTs+KVS+NVS].

## 2.4 LEVELS OF KALA UTSAV

The following is suggested for selecting best teams at different levels:

**District** – This is the first level of Kala Utsav, where all schools can send their entries. (If appropriate and convenient, the State may opt to have Kala Utsav at the block or tehsil level.)

**State/UT** – Selected teams from district level will participate at this level.



**National** – This is the final level of Kala Utsav where the best of the entries from State/UTs/KVS/NVS will showcase their talent.

National Level Kala Utsav is tentatively to be held in December, 2017. Exact date and venue will be shared in due course. For the national level competitions, for every area of arts, there will be a separate jury consisting of experts who will be drawn from educators/practitioners/scholars of the respective art forms. Members of the jury will remain same for all the days of the event. The Jury will view all online project entries of respective art forms, one day before the actual final competitions at the National level. The evaluation of online projects by the Jury shall be included in the final performance marks. The States/UTs/KVS/NVS are advised to regularly visit the Kala Utsav webpage (<http://www.kalautsav.in>) for announcements and status updates.

Note: The boarding/lodging arrangements for the participating teams (with their escorts) as per permissible number of participants for each art form from States/UTs shall be made by the NCERT, New

## 2.5 TEAMS

All entries of States/UTs/KVS/NVS for Kala Utsav 2017 shall be in teams. Here "team" means that students with different talents and abilities come together, assist each other, appreciate each other, and complement each other in completion of the chosen task as a whole. A team can be formed selecting students from Classes 9th, 10th, 11th and 12th, alongwith providing equal opportunity of participation to all the genders. Kala Utsav promotes active participation of Students With Special Needs, in inclusive settings. Schools/authorities may ensure that Students With Special Needs take active part in the art form during the competition. In entries for Kala Utsav, only students will present the art form under the supervision of the school. No involvement of professional artists or performers will be accepted. However, the teachers will be guiding/facilitating all related activities. The maximum number of students\* recommended in different teams\*\* are:



<b>Visual Arts</b>	:	<b>4 students</b>
<b>Music</b>	:	<b>8 students</b>
<b>Dance</b>	:	<b>8 students</b>
<b>Theatre</b>	:	<b>10 students</b>

*\* including those students who are accompanists and working backstage.*

\*\* Every team will be allowed to have only one escort (**teacher**), who has been facilitating in the concerned online project and in preparing students for performance. Every State/UT team will have both male and female teachers/escorts accompanying the team at national level participation.

No extra personnel beyond the permissible limit from the state will be provided boarding/lodging and such personnel will not be permitted to enter the competition venue. IDs will be issued to all the participants for the duration of the program. No parent will be allowed to accompany their word for the National Level competition of Kala Utsav. If extra officials/personnel accompany the teams, then 2 marks per additional official/personnel will be deducted from the State/UT team score of the Art form concerned.

## 2.6 AWARDS AT THE NATIONAL LEVEL KALA UTSAV

There are 3 awards in each discipline in Kala Utsav

<b>First prize</b>	:	<b>₹ 5,00,000/- (₹ 1,25,000 for each art form)</b>
<b>Second prize</b>	:	<b>₹ 3,00,000/- (₹ 75,000 for each art form)</b>
<b>Third prize</b>	:	<b>₹ 2,00,000/- (₹ 50,000 for each art form)</b>

Note: Kala Utsav Award is a cash award, to be given to the school/team and not to individuals. In case of tie for First/Second/Third prize each of the team will get the same amount as mentioned above.



## 2.7 ONLINE ART PROJECT

Online art project is an important part of Kala Utsav entry from States/UTs/KVS/NVS to the National Level. The online project is all about documenting/recording facts of the selected art form by the participating students on one hand and recording of the process of their exploring, rehearsing and presenting that art form in Kala Utsav, on the other. The students can complete their online projects with easy to use equipment, such as cell phone, which they are already using for social media such as: whatsapp, facebook, twitter, instagram, hangouts, etc.

Online projects should essentially consist of recording and documentation of different aspects of the selected art form, students should only include interviews of traditional artists with whom they have interacted and learnt the art form. The documentation should include the following:

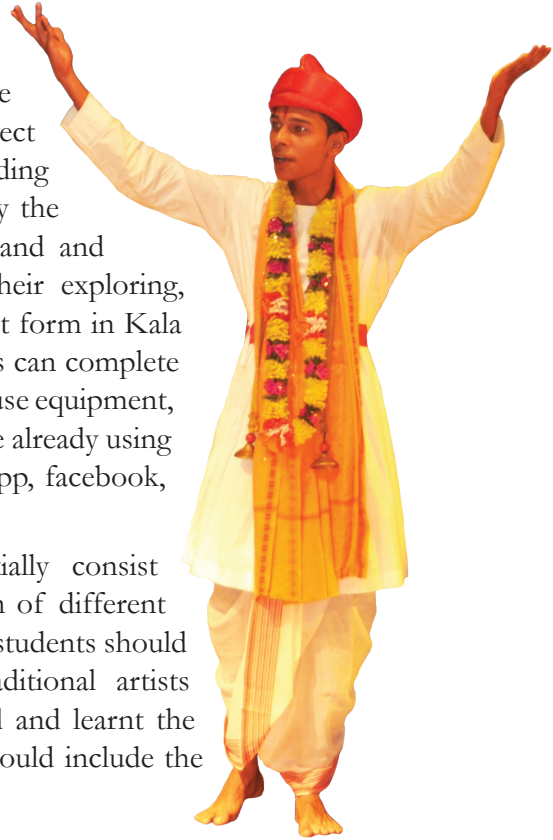
(i) **History**

- ❖ origin
- ❖ communities involved
- ❖ special occasions
- ❖ costumes
- ❖ its relation with the environment, etc.

(ii) **Documenting the facts**

(during their field visit to the community or from other sources):

- ❖ taking photographs
- ❖ audios and videos of the community performing this art form
- ❖ taking from the internet, newspapers, magazines, archives, libraries etc.





- ❖ interviews with artists/ artisans and the community involved.

**(iii) Documenting the process of practising living traditions for Kala Utsav**

- ❖ taking selfies
- ❖ photographs

- ❖ audios/videos of the rehearsals
- ❖ self-interviews and interviews of the teachers/facilitators involved in the process (please avoid long coverage of teachers and authorities)
- ❖ views of the team on how the particular living tradition can be encouraged further, etc.
- ❖ duration of the film/video on online projects should be minimum 6 minutes and maximum 8 minutes.

**(iv) Write-up:** The holistic view of the particular living tradition by the team in 500 words.

Proforma for submitting Kala Utsav entries is given as in Annexure – I.

NCERT has developed a separate website for Kala Utsav (<http://www.kalautsav.in>) where online projects of the previous years have been uploaded and they can be referred while working on projects of pairing states.

**UPLOADING THE ONLINE PROJECT**

Keeping the Kala Utsav dates in view, the States/UTs/KVS/NVS must upload their best entries for National Level Kala Utsav between 15/10/2017 to 31/10/2017 on YouTube.

All Nodal Officers should personally see the entries and verify it before uploading them. Declaration form for the authentication is given in Annexure – II.





### 3. GUIDELINES FOR NATIONAL LEVEL COMPETITIONS

During the national level competitions, the criteria for selection in each art form will be followed on two aspects of Kala Utsav entries – (a) Evaluation of online projects and (b) performance and demonstration cum exhibition in visual arts and traditional crafts. Before the performance, one member of the performing team shall introduce her/his team and each team shall get only 2 minutes for introducing their performance, which is based on the online project. Here, the detailed guidelines along with evaluation sheet have been provided as given below:

32



#### 3.1 THEATRE

- ❖ The duration of the performance will be maximum of 20 – 30 minutes (In case of a traditional performance, which runs overnight, the team may select one episode which can be completed in the given time).
- ❖ An additional 10 minutes will be given for stage and technical setting and clearing of the stage.



- ❖ Performance can be in any language or dialect.
- ❖ Costumes, settings, props and properties will be arranged by the teams themselves.
- ❖ The soft copy of the script should be submitted with the online project.

### Evaluation Sheet – Theatre

*(Living Trading of Arts – Tribal, Folk and Traditional Art Forms)*

TEAM CODE	NAME OF THE PLAY	ONLINE ART PROJECT (ONLINE PROJECT)	MUSIC AND SOUND EFFECT	STAGE SETTING/ DESIGN	COSTUME AND MAKEUP	EFFECTIVE INCLUSION OF CWSN	ACTING	TOTAL MARKS
		30	10	10	10	15	25	100

## 3.2 DANCE

- ❖ It is essential for the team to perform a dance form of the paired State/UT.
- ❖ The duration of the performance will be 5 – 8 minutes.
- ❖ An additional 10 minutes will be given for technical setting/ removal, arrival and dispersal for the performance.
- ❖ Music can be either live or recorded.
- ❖ Costumes and make-up should be simple, authentic and thematic.
- ❖ Sets, costumes, musical instruments, etc. are to be arranged by the teams.



### Evaluation Sheet – Dance

*(Living Trading of Arts – Tribal, Folk and Traditional Art Forms)*

TEAM CODE	NAME OF THE DANCE	ONLINE ART PROJECT (ONLINE PROJECT)	MUSIC	COSTUME AND MAKEUP	CO-ORDINATION AMONGST THE TEAM MEMBERS	AUTHENTICITY/ CHOREOGRAPHY	EFFECTIVE INCLUSION OF CWSN	TOTAL MARKS
		30	15	10	15	15	15	100

### 3.3 MUSIC

- ❖ The duration of the performance will be 5–8 minutes.
- ❖ An additional 10 minutes will be given for technical setting/removal, arrival and dispersal for the performance.
- ❖ Music recitals can be in any language or dialect.
- ❖ Costumes, settings, props and properties should relate to the presentation.
- ❖ Acoustic musical instruments should be played.
- ❖ The textual summary and lyrics of the musical presentations have to be either in Hindi or English and need to be submitted with the online project.
- ❖ The students who play the instruments will be part of the team.
- ❖ Musical instruments, costumes, etc., to be arranged by the respective teams.

### Evaluation Sheet – Music

*(Living Trading of Arts – Tribal, Folk and Traditional Art Forms)*



TEAM CODE	NAME OF THE MUSIC ENTRY	ONLINE ART PROJECT (ONLINE PROJECT)	SUR	TAAL	COMPOSITION	COSTUMES AND MAKEUP	CO-ORDINATION AMONGST THE TEAM MEMBERS	EFFECTIVE INCLUSION OF CWSN	TOTAL MARKS
		30	15	15	10	5	10	15	100

### 3.4 VISUAL ARTS

- ❖ The entry by a team in visual arts (including traditional crafts) has to be in any one of the following visual arts: 2-dimensional (Drawing, Painting, etc.) or 3-dimensional (Sculpture, Terracotta, Relief work etc.) or a combination of 2D and 3D forms.
- ❖ Each team will be permitted one entry only comprising of a single piece of art work, which will be a team work. Nodal officer will ensure that no art work is used for display which has not been prepared by the team of students.
- ❖ The textual summary of the art work has to be either in Hindi or English and needs to be submitted with the online project.
- ❖ It is mandatory for the team to submit the video clips of the process of working on the subject, which would be submitted along with the online project.
- ❖ The team is responsible for presentation (framing etc.) of the visual art.
- ❖ The teams are responsible for packaging, bringing and taking back their art work.
- ❖ All the teams will be provided space of 8ft x 8ft for working and display of their works. The space will be allotted according to the nature of art form - i.e. for paintings (2D work) teams will be allotted space next to the wall and for round sculptures, installations etc. open space in the middle of the hall will be provided.

#### Evaluation Sheet – Visual Arts (including traditional crafts)

*(Living Trading of Arts – Tribal, Folk and Traditional Art Forms)*

TEAM CODE	TITLE OF THE ART	ONLINE ART PROJECT (ONLINE PROJECT)	HANDLING OF THE MATERIAL	FINENESS OF THE TECHNIQUE	ORIGINALITY/AUTHENTICITY	VISUAL IMPACT	TEAM WORK	EFFECTIVE INCLUSION OF CWSN	TOTAL MARKS
		30	10	10	15	10	10	15	100

35





## 4. ROLE AND RESPONSIBILITIES OF THE STATE/UT SECRETARY/SPD/ COMMISSIONERS

All the four entries from the State/UT/KVS/NVS shall be approved by the competent authority before they are forwarded to the national level. The number of teams should be as per the norms mentioned in 2.5 above. **Only 4 escorts (2 male & 2 female) will be allowed from every State/UT/KVS/NVS to accompany students.** No extra personnel from the state will be provided lodging/boarding or allowed entry to the competition venue. It will not be possible to entertain/accommodate extra people from any State/UT/KVS/NVS due to security reasons and paucity of space. However, in case of facilitation of CWSN participant, only one extra personnel will be considered. The competent authority of the State/UT/KVS/NVS must ensure that teams are sent for the national level competitions strictly following the guidelines. If extra officials/personnel accompany the teams, then 2 marks per additional officials/personnel will be deducted from the State/UT team score of the art form concerned.

36



In order to maintain smooth functioning of the Kala Utsav, it is requested that teachers/escorts accompanying the teams must ensure proper discipline of students. The teachers/escorts of the respective team will be held responsible for any misconduct by the State/UT team and in such cases the organizers will be forced to take action which may include deduction of marks from the overall evolution and debarring the State/UT/KVS/NVS for one year for participating in Kala Utsav. Teachers and students will ensure that there is no damage to infrastructure of furniture etc. and that none of the participants

## GUIDELINES — KALA UTSAV

indulge in any sort of misbehaviour or improper conduct. Before the teams are sent for national level competitions, the States/UTs should be brief the participants to co-operate with the local organizers and authority. Teachers/Escorts must keep a strict vigil on their team's activity during the whole event. The students/teams found to be indulging in any form of misconduct/misbehaviour during the event shall be disqualified forthwith.



**PROFORMA FOR SUBMITTING KALA UTSAV ENTRIES**

(To be sent by the schools selected by the State/UT to participate at National Level. Please use separate proforma for each selected entry.)

**Section A**

**General Information**

1. Name of the State/UT/KVS/NVS: \_\_\_\_\_
2. Name and Address of the School: \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_
- ContactNo: \_\_\_\_\_ E-mail: \_\_\_\_\_
- School ID (UDISE): \_\_\_\_\_
3. Pairing state/ UT: \_\_\_\_\_
4. Type of School:
 

<input type="checkbox"/> Government	<input type="checkbox"/> Government-aided
<input type="checkbox"/> KVS	<input type="checkbox"/> NVS
<input type="checkbox"/> Private School	<input type="checkbox"/> Other Central Govt. School
5. Name of the Art Form: Music/ Dance/ Theatre/ Visual Arts
6. Details of the Participating Team:

S. No.	Name of the Student	Class	Role in the online project	Whether from CWSN
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				



7. Detail of the Teachers involved in the online project:

S No.	Name of the Teacher	Designation and Subject he/she reaches	Role in the online project
1.			
2.			
3.			
4.			

### Section B

#### Detail of the Online Art Project (online project)

8. Title of the online project:

9. Language:  English

Hindi

Other

Please specify the language: \_\_\_\_\_

10. Description/Background of the online project (in 500 words). This will be required for the website and for the printed document on Kala Utsav – 2017.

This section should provide the basic information of the art form. It should contain the historical background of the art form, the region it is being practiced in, whether it belongs to a community or not? How is it practiced? Is there any special occasion attached to it? Is it a living tradition or a dying art form?

11. Processes of the online project (in 500 words). This will be required for the website and for the printed document on Kala Utsav – 2017.

A brief description of the different stages of the e-project including the idea, selection of the theme/content/form of the art,



**DECLARATION**

**(By the State/UT /KVS/NVS Nodal Officer\* – Kala Utsav)**

The ' \_\_\_\_\_ ' paring with State/  
UT ' \_\_\_\_\_ ' entry submitted/uploaded for  
the National Level 'Kala Utsav', for Theatre/Dance/Music/Visual  
Art, stands first in \_\_\_\_\_  
State/UT.

I have personally seen the presentation of this team and I certify that  
it does not violate the Kala Utsav Guidelines.

Dated \_\_\_\_/\_\_\_\_/2017

Place: \_\_\_\_\_

Signature with seal

To,

The Head  
Department of Education in Arts and Aesthetics  
National Council of Educational Research and Training  
Sri Aurbindo Marg, New Delhi 110016

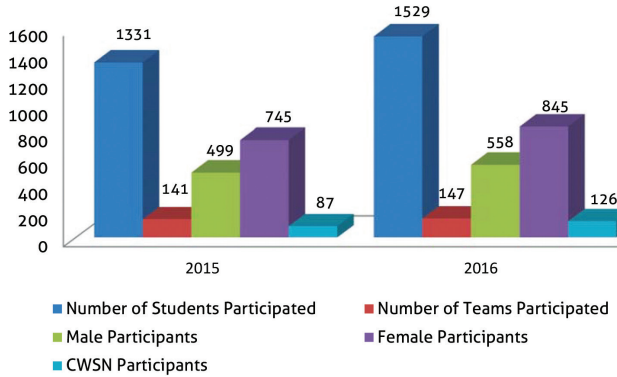
40



\* In case of state and UT, Nodal Officer will be the SPD, RMSA. In case  
of KVS and NVS Commissioner will be the Nodal Officer.



# GLIMPSES



## WINNING TEAMS OF KALA UTSAV - 2016

Art Form	1st	2nd	3rd
Visual Art	Andaman & Nicobar Islands - Body Ornaments of the Tribes	Navodaya Vidyalaya Samiti - Traditional Bronze Craft	Haryana - Traditional Visual Arts
Dance	West Bengal - Ranpaa Dance	Himachal Pradesh-Laaldi Dance	Andaman & Nicobar Islands-Life and culture of Jarawa Tribes
Music	Goa - Shigmo	Bihar-Kajari	Jammu & Kashmir-Geetu Dogri Lok Sangeet
Theatre	Karnataka-Dodddata-Folk Drama	Kerala-Koodiyattam	Tamil Nadu-Draupadi Disrobement

## WINNING TEAMS OF KALA UTSAV - 2015

Art Form	1st	2nd	3rd
Visual Art	Andaman & Nicobar Islands - Hidden Art of our Tribes (Jarawa & Onge) Body & Accessory Painting (Combination of 2D & 3D)	Delhi - Sanjhi & Prateek Chinh and Haryana - Sanjhi Art	Tamil Nadu - Horses In Terracotta, Collage, Drawing and Painting
Dance	Assam - BIHU – a popular folk dance of Assam	Dadar & Nagar Haveli - Tarpa-Dhol Dance	Karnataka
Music	Delhi - Punabi Folk Song-Challa	Chattisgarh - Living Tradition of Chhattisgarh Folk Music	Assam and Maharashtra - Diha Naam – Devotional music of Assam
Theatre	Haryana - Swang Haryana	Assam - Theatre: Suna Suna Sabhashada porha Shunar Kotha	Maharashtra

